भारत – स्लोवेनिया संबंध

स्लोवेनिया ने 1991 में यूगोस्लाविया से आजादी प्राप्त की। भारत ने 11 मई 1992 को स्लोवेनिया को मान्यता दी। हमारी मान्यता के शीघ्र बाद स्लोवेनिया के तत्कालीन विदेश मंत्री डा. दिमित्रीज रूपेल ने 18 मई 1992 को भारत का दौरा किया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में सदस्यता के लिए स्लोवेनिया का समर्थन किया। स्लोवेनिया को 23 मई 1992 को संयुक्त राष्ट्र में शामिल किया गया।

रेजीडेंट मिशन खोलना

स्लोवेनिया ने 1 अगस्त 2002 को नई दिल्ली में अपना रेजीडेंट मिशन खोला। शुरू में इस मिशन के प्रमुख चार्ज डी अफेयर्स होते थे। सितंबर 2009 में प्रतिनिधित्व को राजदूत के स्तर पर अपग्रेड किया गया। भारत ने फरवरी 2007 में लुजबुलजाना में अपना रेजीडेंट मिशन खोला।

उच्च स्तरीय यात्राएं – भारत और स्लोवेनिया के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर हैं। दोनों देशों के बीच उच्च सतर पर अनेक यात्राएं हुई हैं। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह 31 अगस्त से 1 सितंबर 2014 के दौरान ब्लेड सामरिक मंच में भाग लिया; लोक सभा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार द्वारा 26 से 30 मई 2013 के दौरान एक संसदीय शिष्टमंडलका नेतृत्व किया गया; एम ओ एस (ईए) श्रीमती प्रणीत कौर ने 2009, 2010 एवं 2013 में वार्षिक ब्लेड सामरिक मंच में भाग लिया; तत्कालीन एम ओ एस (ईए) श्री आनंद शर्मा ने भारतीय दूतावास के चांसरी परिसर का उद्घाटन करने के लिए 2008 में स्लोवेनिया का दौरा किया; वित्त राज्य मंत्री (राजस्व) श्री गिंगी एन रामचंद्रन ने जनवरी 2003 में और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री प्रो. वाई के अलघ ने फरवरी 1997 में स्लोवेनिया का दौरा किया।

स्लोवेनिया की ओर से नेशनल असेंबली के अध्यक्ष महामहिम डा. मिलान बर्गलेज के नेतृत्व में स्लोवेनिया के 7 सदस्यीय संसदीय शिष्टमंडल ने 24 से 27 नवंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया; स्लोवेनिया के शिक्षा, विज्ञान एवं खेल मंत्रालय में स्टेट सेक्रेटरी श्री पीटर मैकेक के नेतृत्व में नवंबर 2014 में नई दिल्ली में एक शिष्टमंडल ने सी आई आई के ज्ञान एक्सपो में भाग लिया; उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री श्री कार्ल एर्जावेक ने नवंबर 2013 में नई दिल्ली में 11वीं असेम विदेश मंत्री बैठक में भाग लिया; पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं आर्थिक विकास तथा प्रौद्योगिकी मंत्री श्री जेरजाव राडोवान ने जनवरी 2013 में भारत का दौरा किया; पूर्व राष्ट्रपति डा. डैनिलो तुर्क ने फरवरी 2010 में दिल्ली संपोषणीय शिखर बैठक में भाग लिया; प्रधानमंत्री के रूप में महामहिम श्री बोरूत पहोर ने 13 से 16 जून 2011 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया; पूर्व राष्ट्रपति डा. जानेज दर्नोवसेक ने जनवरी 2006 में बंगलौर में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा मानव मूल्यों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह तथा जनवरी 2007 में नई दिल्ली में सत्याग्रह शताब्दी सम्मेलन में भाग लिया; अन्य उच्च स्तरीय यात्राओं में पूर्व विदेश मंत्री डा. दमित्रिज रूपेल की 1992 में भारत यात्रा, उप प्रधानमंत्री एवं आर्थिक संबंध मंत्री डा. ड्रवोरिन क्राकुन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डा. राडो बोहिन्क, डा. लोजजे एवं डा. जुरे जुपान की यात्राएं शामिल हैं।

द्विपक्षीय करार / प्रोटोकाल / एम ओ यू जिन पर हस्ताक्षर किए गए हैं

- द्विपक्षीय व्यापार एवं सहयोग पर संयुक्त समिति गठित करने पर करार (1993)
- वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर करार (1995)
- एक संयुक्त व्यवसाय परिषद का गठन करने के लिए फिक्की / एसोचैम तथा स्लोवेन चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री के बीच करार (1995)
- विदेश कार्यालय परामर्श पर प्रोटोकॉल (1996)
- संस्कृति, कला, शिक्षा, खेल एवं मास मीडिया के क्षेत्रों में सहयोग के लिए सांस्कृतिक करार (1996)
- सूचना के पारस्परिक आदान प्रदान के लिए राष्ट्रीय व्यापार सूचना केन्द्र (एन सी टी आई), भारत तथा चैंबर ऑफ कामर्स ऑफ स्लोवेनिया (सी सी एस) के बीच करार (1997)
- दोहरा कराधान परिहार करार (2003)

- निर्यात क्रेडिट गारंटी निगम (ई सी जी सी) - स्लोवेनिया निर्यात निगम (एस ई सी) सहयोग रूपरेखा करार (2003)
- द्विपक्षीय हवाई सेवा करार (2004)
- हिंदी चेयर की स्थापना के लिए आई सी सी आर एवं लुजुब्लजाना विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू (2009)
- निवेश के परस्पर संवर्धन एवं संरक्षण पर करार (2011)
- भारतीय मानक ब्यूरो तथा स्लोवेनियाई मानिकीकरण संस्थान के बीच एम ओ यू (2011)
- अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू तथा नोवा गोरिका विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू (2011)
- लुजुब्लजाना विश्वविद्यालय के कला संकाय में एक दीर्घावधिक हिंदी चेयर की स्थापना के लिए एम ओ यू (2011)
- एयर इंडिया, एयरोड्रोम लुजुब्लजाना तथा आड्रिया एयरवेज के बीच एम ओ यू (2011)
- द्विपक्षीय हवाई सेवा करार को संशोधित करने के लिए प्रोटोकॉल (2012)
- राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए अल्पावधिक प्रवास वीजा छूट पर करार (2013)
- कोड साझा करने की व्यवस्थाओं पर एयर इंडिया एवं आड्रिया एयरवेज के बीच करार (2013)
- प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग के लिए प्रसार भारती और आर टी वी के बीच एम ओ यू (2013)
- शिक्षा तथा विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एन आई एम एस राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर तथा प्रीमोरस्का विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू (नवंबर 2014)
- राजनयिक मिशनों तथा कांसुलर पोस्टों के सदस्यों के आश्रितों के लाभप्रद रोजगार पर करार (अप्रैल 2015)

भारत - स्लोवेनिया विदेश कार्यालय परामर्श :

विदेश कार्यालय परामर्श के अब तक 7 सत्रों का आयोजन हो चुका है तथा पिछली बैठक जुलाई 2010 में नई दिल्ली में हुई थी। स्लोवेनिया विदेश कार्यालय परामर्श के अगले सत्र का आयोजन लिजुबल्जाना में करेगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

1993 में एक करार के माध्यम से संयुक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग समिति का गठन किया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर भारत – स्लोवेनिया संयुक्त कार्य समूह की बैठक 19 नवंबर 2014 को हुई तथा कार्यान्वयन के लिए संयुक्त परियोजनाओं की पहचान की गई। 2015 से 2018 की अवधि को शामिल करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर करार का विस्तार किया गया।

द्विपक्षीय व्यापार :

जनवरी से अक्टूबर 2015 की अवधि के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 275 मिलियन यूरो था। भारत ने 214 मिलियन यूरो मूल्य के माल का निर्यात किया तथा 61 मिलियन यूरो मूल्य के पण का आयात किया और इस प्रकार 153 मिलियन यूरो के साथ व्यापार संतुलन भारत के बहुत पक्ष में है। वर्ष 2014 में माल में कुल द्विपक्षीय व्यापार 213.03 मिलियन यूरो था तथा इसमें भारत को 7.19 मिलियन यूरो का व्यापार अतिरेक प्राप्त है। 2013 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 282.41 मिलियन यूरो के आसपास था जिसमें 138.65 मि लियन यूरो का सरप्लस भारत के पक्ष में था।

सेल्जे में अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड फेयर के आयोजकों द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2015 में एक व्यवसाय सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत लजुबजाना में जनवरी 2015 में वार्षिक आल्पी एड्रिया इंटरनेशनल टूरिज्म शो में फोकस कंट्री था। भारत ने जनवरी 2015 में दाओ याह फेयर में और मार्च 2015 में सेल्जे में 11वें आल्टरमेड में भाग लिया। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने के लिए मई 2015 को लिजुब्लजाना में भारतीय दूतावास द्वारा स्लो वेनिया के वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर के सहयोग से ''भारत : व्यवसाय के लिए नई रूपरेखाएं तथा व्यवसाय के नए अवसर'' शीर्षक से एक व्यवसाय गोलमेज का आयोजन किया गया जिसमें स्लोवेनिया की 19 कंपनियों तथा भारतीय पी एस यू जैसे कि नालको और भेल के उच्च स्तर के कार्यपालकों ने भाग लिया। भारत 2009 से सेल्जे में अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड फेयर में भाग ले रहा है। 2014 में भारत की 18 कंपनियों ने सेल्जे इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में भाग लिया जबकि 8 से 13 सितंबर 2015 के दौरान इस ट्रेड फेयर में भारत की 26 कंपनियों ने

भाग लिया। भारत जून 2014 से लजुबल्जाना में आयोजित होने वाले वाइन फेयर / प्रतियोगिता में भाग ले रहा है जब पहली बार स्लोवेनिया में भारत से वाइन का एक सेकेक्शन पेश किया गया था। भारत ने अक्टूबर 2015 में 51वें इंटरनेशनल वाइन फेयर 'विनो लजुबल्जाना' में भाग लिया। स्लोवेनिया के अल्ट्राराइट एयरक्राफ्ट निर्माता मैसर्स पिपिस्ट्रेल ने अक्टूबर 2015 में भारत को 17 मिलियन यूरो मूल्य के 194 ट्रेनर एयरक्राफ्ट की डिलीवरी करने के लिए एक सौदे पर हस्ताक्षर किए। भारत ने पहली बार नवंबर 2014 में 30वें स्लोवेनिया बुक फेयर के लिए और नवंबर 2014 में आयुर्वेद एवं अन्य परंपरागत दवाओं के क्षेत्र में 45वें नेचर हेल्थ फेयर में भी भाग लिया।

स्लोवेनिया में (जनवरी 2015 में) सी आई आई साझेदारी शिखर बैठक, जयपुर में भाग लिया। श्री टोमाज मेन्सिन राजदूत, प्रमुख, लोक राजनय एवं द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग विभाग, विदेश मंत्रालय ने स्लोवेनिया के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया जिसने अक्टूबर 2015 में बंगलौर में दूसरे भारत – मध्य यूरोप व्यवसाय मंच में भाग लिया। स्लोवेनिया के शिक्षा, विज्ञान एवं खेल मंत्रालय में स्टेट सेक्रेटरी श्री पीटर मकेक के नेतृत्व में नवंबर 2014 में नई दिल्ली में स्लोवेनिया के एक शिष्टमंडल ने सी आई आई के ज्ञान एक्सपो 2014 में भाग लिया। स्लोवेनिया ने मार्च 2014 में फिक्की द्वारा आयोजित पहले भारत - मध्य यूरोप व्यवसाय मंच में भाग लिया। स्लोवेनिया की 2 कंपनियों ने नई दिल्ली में सितंबर 2014 में खनिज, धातु, मेटलजी तथा सामग्री प्रदर्शनी में भाग लिया। स्लोवेनिया की कंपनी इस्कारा सिस्टेमी ने बंगलौर इंजीनियरिंग एक्सपो 2014 में भाग लिया। गोस्टोल ने मार्च 2014 में आहार खाद्य एवं अतिथि सत्कार मेले में भाग लिया। पूर्व आर्थिक विकास एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री जेरजाव राडोवन के नेतृत्व में कारोबारी शिष्टमंडल ने जनवरी 2013 में नई दिल्ली, आगरा और कोलकाता का दौरा किया। प्रधानमंत्री बोरुट पहोर जब जून 2011 में भारत के अपने राजकीय दौरे पर आए थे तब उनके साथ एक बड़ा कारोबारी शिष्टमंडल भी आया था जिसने मुबई, दिल्ली और बंगलौर का दौरा किया। यह यात्रा आर्थिक सहयोग बढ़ाने तथा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने पर केन्द्रित थी।

सांस्कृतिक सहयोग

मिशन स्थानीय सह प्रायोजकों के साथ मिलकर आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनकी स्लोवेनिया में भरपूर सराहना की जाती है। कर्नाटक सरकार ने स्लोवेनिया में भारतीय गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर पंडित नरसिंम्हालू (2011), डा. मैसूर मंजूनाथ (2012) और डा. सुमा सुधिंद्रा (2013) को प्रायोजित किया। मई 2013 में डोब्रोवो, गोरिस्का ब्रडा में पंडित जवाहरलाल नेहरू की एक आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। महात्मा गांधी जी की एक प्रतिमा, जिसे आई सी सी आर द्वारा दान में दिया गया है, 1 अक्टूबर 2010 को स्लोवेंज ग्रैडेक में लगाई गई। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की एक आवक्ष प्रतिमा, जिसे आई सी सी आर द्वारा दान में दिया गया है, नवंबर 2011 में मैरीबोर नगर पालिका में लगाई गई - जो 2012 के लिए यूरोप की सांस्कृतिक राजधानी है।

जनवरी 2014 में ''स्लोवेनिया में भारत के दिन'' महोत्सव के पहले संस्करण का आयोजन किया गया। 20 से 30 जनवरी 2015 तक भारतीय दिवस महोत्सव के दूसरे संस्करण के अवसर पर मिशन ने कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अयोजन किया गया जैसे कि शास्त्रीय सरोद संगीत का कंसर्ट, सार्क देशों की कला को प्रदर्शित करने के लिए ''जैसलमेर यलो'' नामक पेंटिंग प्रदर्शनी और महात्मा गांधी पर ''माई लाइफ इज माई मेसेज'' नामक फोटो प्रदर्शनी।

मार्च 2015 में जेसिनाइस में ''फैकेट ऑफ इंडिया'' नामक एक फोटो प्रदर्शनी लगाई गई ''दि मेकिंग ऑफ महात्मा'' को परदे पर दिखाया गया। मार्च 2015 में स्लोवानिया के एंथोग्राफिक संग्रहालय, लजुबजाना में भारत के उत्तर - पूर्व क्षेत्र के फोटो की एक प्रदर्शनी लगाई गई। श्री अवीजीत दत्त के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित नई दिल्ली से एक 7 सदस्यीय रंगमंच समूह ''यात्रिक'' तथा मुंबई से एक अन्य 7 सदस्यीय रंगमंच समूह ''बनयान ट्री प्रोडक्शन'' ने स्लोवेनिया का दौरा किया तथा मार्च 2015 में स्लोवेनियाई नाटक के 45वें महोत्सव में अपनी कला का प्रदर्शन किया। बनयान ट्री प्रोडक्शन के परफार्मेंस को क्रिटिक अवार्ड मिला। भारतीय पर्यटन कार्यालय, फ्रैंकफुर्ट के साथ मिलकर भारतीय दूतावास ने मार्च 2015 में लजुबजाना में 'पर्यटन में भारत - स्लोवेनिया साझेदारी दिवस' के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय विकास सोसायटी, कुड सोडोबनोस्ट सोसायटी, लजुबजाना और मैरीबो नगरपालिका के सहयोग से गुरूदेव टैगोर सप्ताह का आयोजन मई 2015 के दौरान किया गया। कार्यक्रमों में गोरिस्का बरडा, स्लोवेंज ग्राडेक, लजुबजाना और मैरीबार में बेल्जियम के मशहूर वायलिन वादक श्री हंस वेरमीरश द्वारा वायलिन पर रवींद्र संगीत का गायन शामिल था, जो भारतीय उप महाद्वीप के समकालीन एवं शास्त्रीय संगीत के विशेषज्ञ हैं। लजुबजाना कंजर्वेटरी में

टैगोर की कविताओं के गायन तथा ''श्री टैगोर्स'' नामक पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर अक्टूबर 2015 में स्लोवेंज ग्रैडेक, कोसीवजे और जेसीनाइस में हंस वीरमीरश ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। श्री जवाहरलाल नेहरू की 125वीं वर्षगांठ के वर्ष की समाप्ति के अवसर पर 27 मई से 18 जून तक ब्लेड के नगरपालिका पुस्तकालय में उनके फोटो की एक प्रदर्शनी लगाई गई। 21 जून 2015 को स्लोवेनिया के 28 शहरों में पहली अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन एवं प्रदर्शन करने के लिए भारी संख्या में लोग जमा हुए। इस कार्यक्रम को मीडिया ने बड़े पैमाने पर कवर किया। भारतीय दूतावास ने जुलाई 2015 में लजुबजाना में स्लोवेनिया के बैकपैकिंग पर्यटन एवं यात्रा फोटोग्राफी के सबसे पुराने एवं सबसे बड़े महोत्सव डायफेस्ट के 9वें संस्करण में भाग लिया। सितंबर 2015 में सेजाना में 30वें वेलिनिका अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का उद्घाटन किया गया। महोत्सव ने वेलिनिका नृविज्ञान कविता के 10वें खंड का अनावरण किया जो समकालीन भारतीय कविता का संग्रह है जिसमें 31 महिला एवं पुरूष लेखकों की कृतियां हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित वायलीन वादक जौहर अली खान ने सितंबर 2015 में 63वें लजुबजाना महोत्सव में अपनी कला का प्रदर्शन किया। सितंबर 2015 में शहर संग्रहालय, स्लोवेंज ग्रैडेक में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर विजनरी कलाकार, कवि, कंपोजर एवं एथलीट श्री चिन्मय की मौलिक कलाकृति की 'झरना कला – शांति की कला' नामक प्रदर्शनी लगाई गई। नवंबर 2015 में क्वारटिर्ना हिसा गैलरी, सेल्जे में चेन्नई की कलाकार शर्मिला मोहनदास की पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई गई। 2015 में स्लोवेनिया में दो भारतीय फीचर फिल्मों की शूटिंग भी हुई।

2014 में, (28 नवंबर 2014) को जवाहरलाल नेहरू की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संयुक्त टिकट जारी किया गया। लेटर्स फ्राम ए फादर टू हिज डाटर नामक पुस्तक का अनुवाद स्लोवेन भाषा में किया गया तथा उसका लोकार्पण (19 नवंबर) को किया गया। दिसंबर में लजुबजाना के सभी नगरपालिका पुस्तकालयों में ''भारत सप्ताह'' मनाया गया। ओपन इसोला फिल्म महोत्सव (जून 2014), ब्लेड फिल्म महोत्सव (जून 2014) और लुजुब्लजाना इंटरनेशनल फिल्म महोत्सव नवंबर 2014 सहित स्लोवेनिया में फिल्म महोत्सवों में भारतीय फिल्में दिखाई गईं। स्लोवेनिया में 2014 में दो भारतीय फिल्मों एवं एक वाणिज्यिक फिल्म की भी शूटिंग हुई। आयुष के सचिव ने सितंबर 2014 में स्लोवेनिया का दौरा किया। उन्होंने चांसरी परिसर में आयुष सूचना केंद्र का उद्घाटन किया। प्रीमोरस्का विश्वविद्यालय के रेक्टर के नेतृत्व में स्लोवेनिया के एक शिष्टमंडल ने नवंबर 2014 में नई दिल्ली में आयोजित 6वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस में भाग लिया।

भारत के साथ स्लोवेनिया संसदीय मैत्री समूह - भारत के साथ संसदीय मैत्री समूह की स्थापना 6 फरवरी 2009 को हुई। 21 मई 2015 से भारत के साथ स्लोवेनिया संसदीय मैत्री समूह की अध्यक्ष सुश्री सुजाना लेप सिमेंको हैं। वह स्लोवेनिया के संसदीय शिष्टमंडल का भी हिस्सा थी जिसने नवंबर 2015 में भारत का दौरा किया था। नवंबर 2009 में, भारत सरकार के निमंत्रण पर इस मैत्री समूह के तत्कालीन अध्यक्ष के नेतृत्व में दो और सदस्यों ने भारत का दौरा किया।

भारतीय समुदाय – पी आई ओ सहित लगभग 150 लोगों का बहुत छोटा भारतीय समुदाय है जिसमें मुख्य रूप से वे लोग शामिल हैं जिन्होंने स्लोवेनिया के नागरिकों से शादी की है तथा कुछ आईटी पेशेवर हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, लुजुब्लजाना की वेबसाइट :
http://indianembassy.si/
भारतीय दूतावास, लुजुब्लजाना का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/eoi.ljubljana

***

जनवरी, 2016